(घ) सरकार द्वारा जहाजरानी उद्योग के कार्यकरण में सुधार करके 1991-92 के वर्ष के दौरान विदेशी मुद्रा की बचत करने के लिये क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) जी, हां।

(ख) जी, हां।

(ग) सरकार ने नौवहन उद्योग की सहायता करने के लिये निम्नलिखित उपाय अनुमोदित किए हैं:-

1. लाइसेंसिंग प्रक्रिया को करगर बनाना जिससे अस्थिर अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में शीघ्र जहाज-खरीद की जा सके।

2. बल्क कार्गो की ढुलाई में ट्रांसपोर्ट द्वारा भारतीय जहाज मालिकों के लिये कार्गो-प्राथमिकता।

3. जहाजों की स्क्रेपिंग के लिये प्रक्रिया का सरलीकरण।

4. पारी-पासू अनिवार्यता का सुधार।

5. आधुनिक एवं कम ईंधन खपत वाले जहाजों की खरीद के लिये प्रोत्साहन।

6. ब्याज सबसिडी के माध्यम से वित्तीय प्रोत्साहन।

7. न्हावा शोवा के नए पत्तनों का निर्माण तथा अन्य पत्तनों में पत्तन संरचना और कार्गो हैंडलिंग सुविधाओं में सुधार।

8. मौजूदा टनेज को प्रतिस्थापित करने के लिये प्रस्ताव को यदि प्रतिस्थापना (रिप्लेसमेंट) प्रस्ताव प्रतिस्थापित की जाने वाली टनेज से 25% तक की सीमा तक अधिक है तो, जहाज खरीद लाइसेंसिंग समिति के समक्ष प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है।

9. प्रत्यक्ष कर कानून (द्वितीय संशोधन) अधिनियम, 1989 में वित्तीय प्रोत्साहनों का प्रावधान। इनमें भारतीय नौवहन कम्पनियों के पूंजीगत आधार को सुदृढ़ करने के लिये प्रोत्साहन तथा जहाजों की खरीद के लिये विशिष्ट रूप से इस्तेमाल किये जाने हेतु विशेष आरक्षित निधि के सृजन के लिये प्रोत्साहन की व्यवस्था शामिल है।

10. निर्धारित आवश्यकता से 25% अधिक तक जहाज खरीद की अनुमति देना।

11. निजी नौवहन कम्पनियों को, निर्धारित आवश्यकता का हवाला दिये बिना भारतीय शिपयार्डों को आर्डर देने की अनुमति।

12. चुनिंदा लाइनर रूटों पर प्रचालन के लिये भारतीय नौवहन कम्पनियों को लाइसेंस देने में छूट।

(घ) कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है।

दिल्ली परिवहन निगम का कार्यकरण

986. **श्री सुरेश कलमाडी :**
श्रीमती वीणा वर्मा :

क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार दिल्ली परिवहन निगम के बेड़े को निजी बसों के द्वारा पूरा करने की अपनी पहल को किस सीमा तक कार्यान्वित करने में सफल हुई है;

(ख) क्या पहल ठीक प्रकार से चल रही है अथवा समस्याओं के कारण इसमें रुकावट आ गयी है;

(ग) दिल्ली में बिगड़ती हुई सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को सुधारने के लिए क्या आवश्यक कदम उठाये जा रहे हैं;

(घ) क्या दिल्ली परिवहन निगम के कुछ मार्गों को निजी ट्रांसपोर्टरों को सौंपने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है; और

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) से (ङ) दि0प0नि0 ने प्रारंभ में 1,000 निजी बसें शामिल करने की योजना बनाई थी । स्थानीय अखबारों में दिए गए विज्ञापन के प्रत्युत्तर में दि0प0नि0 को 337 आवेदन प्राप्त हुए । हालांकि, 94 पात्र आवेदकों में से आखिर में केवल 55 आवेदक ही अपनी बसें लगवाने के लिए पहुंचे ।

दिल्ली प्रशासन ने दिल्ली में कुछ रूटों पर निजी प्रचालकों को 3,000 स्टेज कैरिज परमिट देने की एक स्कीम भी बनाई है, जिनका किराया दि0प0नि0 के किराए से अधिक होगा । इस स्कीम पर दिल्ली प्रशासन विचार कर रहा है ।

दि0प0नि0 ने अभी हाल में कुछ नगर रूटों पर ग्रीन लाइन सेवा शुरू की है जो अपेक्षाकृत तीव्र और सुविधाजनक है ।

Export of Cotton and Cotton Yarn

@987. SHRI PRAGADA KOTAIAH: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state the total quantity of cotton and cotton yarn exported and the cash compensatory support given on the said exports during the years 1986-87, 1987-88, 1988-89, 1989-90 and 1990-91?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): The total quantity of cotton and cotton yarn exported dureng the last five years is as under:—

Cotton

Cotton Year	Quantity in Lakh Bales of 170 K.G.
1986-87	13.72
1987-88	0.44
1988-89	0.76
1989-90	13.71
1990-91	11.90

Cotton Yarn

Year	Quantity (in (Million K.G.)
1986-87	27.98
1987-88	85.63
1988-89	40.38
1989-90	62.12
1990-91	90.11

No Cash Compensatory support was admissible on cotton exports. The Cash Compensatory support admissible on cotton yarn exports was 5 per cent for counts above 40s w.e.f. 1-7-1986 and 8% for all counts w.e.f. 29-8-1986.

Export of Hank Yarn

@@988. SHRI PRAGADA KOTAIAH: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) the total quantity of cotton yarn having been exported during the current year, up to the end of September, 1991; and

(b) what is the quantity of hank yarn exported and also the counts of the hank yarn exported, count-wise?

@Previously Unstarred Question 362 transferred from 26th November, 1991.

@@Previously Unstarred Question 371 transferred from 26th November, 1991.